



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 524] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 23, 1989/भाद्र 1, 1911
No. 524] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 23, 1989/BHADRA 1, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

स्टाफ एक्मचेंज विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1989

का. आ. 661(अ).—केन्द्रीय सरकार, ओवर दि काउण्टर एक्मचेंज आफ इंडिया,
लॉन्डन द्वारा प्रतिभूति मंविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42वां) की धारा
3 के अन्तर्गत मान्यता के लिए दिए गए आवेदन-पत्र पर विचार करने और इस बात से संतुष्ट

2340 GI/89

(1)

होते के बाद कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, प्रतिभूति संधिदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्द्वारा, उपर्युक्त एक्सचेंज को उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन 23-8-1989 से आरम्भ होने वाली और 22-8-1994 को समाप्त होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रतिभूतियों में संधिदाओं के संबंध में ऐसी शर्तों के अधीन जो इसके बाद निर्धारित अथवा लागू की जाएं, मान्यता प्रदान करती है।

[संख्या एक. 1/2/एस. ई./89]

पो. जी. मरुड, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

STOCK EXCHANGE DIVISION

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd August, 1989

S.O. 661(E).—The Central Government, having considered the application for recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), by the Over The Counter Exchange of India, Bombay, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by the section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, recognition to the said Exchange under section 4 of the said Act, for a period of five years commencing on the 23-8-1989 and ending with the 22-8-1994 in respect of contracts in securities subject to such conditions as may be prescribed or imposed hereafter.

[No. F. 1/2/SE/89]

P. G. MANKAD, Jt. Secy